

अपधातु स्त्री. (तत्.) रसा. कम कीमत वाली धातु जो हवा में गरम करने पर ऑक्सीकृत हो जाती है, जैसे- तांबा, जस्ता आदि base metal

अपध्यान पुं. (तत्.) [अप+ध्यान] 1. दूसरों को मन ही मन कोसने की व्यग्रता 2. अनुचित चिंतन 3. बुरे विचार जैन. रागद्वेषादि अवोच्छित भावों से संबंधित अनपेक्षित विषयों का, चिंतन या विचार।

अपध्वंस पुं. (तत्.) विध्वंस, विनाश।

अपध्वस्त वि. (तत्.) 1. जो अच्छी तरह कूटा पीसा गया हो 2. बुरी तरह नष्ट 3. त्याग हुआ 4. व्यक्त 5. शापित, कोसा हुआ 6. अपमानित पुं. 1. दुष्ट, विवेकरहित।

अपन सर्व. (तद्.) 1. दे. अपना 2. मैं।

अपनई सर्व. (तत्.) अपनी, खुद की वि. निजी।

अपनति स्त्री. (तत्.) शा.अर्थ नीचे की ओर झुकाव भूवि. शैलों की ऊपर की ओर मुड़ी संरचना जिसमें दोनों पार्श्वों के स्तर बाहर की ओर नत होकर चाप-सा बनाते हैं विलो. अभिनति anticline

अपनत्व वि. (तत्.) [हि.अपना+(तत्.)त्व] 1. किसी में अपनापन होने का भाव 2. आत्मीयता।

अपनपा वि. (तत्.) 1. अपना जैसा समझने का भाव 2. अपनापन, आत्मीयता 3. घनिष्ठता मुहा. अपनपा खोना- अपनी सुध बुध खोना, सहसा क्रोधावेश में आना, अपना अहंकार छोड़ना।

अपनय पुं. (तत्.) [अप+नय] 1. किसी वस्तु को हटाना, दूर ले जाना 2. खंड करना 3. अपकार 4. बुरी नीति 5. बुरा चाल चलन

अपनयन पुं. (तत्.) 1. हटाना, दूर करना 2. स्थानांतरित करना 3. पक्षांतर करना।

अपना सर्व. (तद्.) 1. अपने आप से संबंधित, स्वयं का, निजी, खुद का 2. आत्मीय, स्वजन मुहा. अपना करना- अपना बनाना, अपने पक्ष

में करना; अपना कहा करना- अपनी बात पर अटल रहना, अपनी जिद पूरी करना; अपना काम कर जाना- सफलतापूर्वक अपनी चाल चल देना; अपना काम निकालना- अपना उद्देश्य सिद्धकर लेना; अपना किया पाना- अपने किए कर्मों का फल भोगना, अपने कर्म का फल पाना; अपना घर देखना- अपना सामर्थ्य या अपनी औकात देखना; अपना घर समझना- संकोच न करना; अपना पराया जानना- शत्रु-मित्र की पहचान होना; अपना पाँव आग में डालना- स्वयं खतरा मोल लेना; अपना पूत प्यारा लगाना- अपनी वस्तु में गुण ही गुण देखना; अपना बना लेना- अपने पक्ष में कर लेना; अपना रास्ता नापना- अपने रास्ते पर जाना; अपना रास्ता लेना- अपने काम में लगना, अपना काम करना; अपना सा मुँह लेकर रह जाना- किसी कार्य के सफल न हो जाने पर लज्जित होना; अपना सोना खोटा होना- अपनों में ही दोष देखना या होना; अपनी खिचड़ी अलग पकाना- सबसे अलग रह कर कार्य करने की प्रवृत्ति; अपनी आग में आप जलना- किसी के प्रति ईर्ष्या-द्वेष में स्वयं परेशान होना, खुद पैदा की गई मुसीबत को खुद भोगना; अपनी गाना- अपनी बात कहते जाना, किसी की न सुनना; अपनी नींद सोना- अपनी इच्छानुसार कार्य करना; अपनी जान हरदम सूली पर होना- हर समय संकट की स्थिति में होना; अपनी बात ऊपर रखना- अपनी ही चलाना, दूसरे की न सुनना; अपनी बात का पक्का- वचन का पक्का; अपनी बात का धनी- अपनी बात का पक्का; अपनी बात पर आना- अपने स्वभाव के अनुसार काम करने लगना; अपनी बात से टलना- प्रतिज्ञा न निभाना, कथनी के अनुसार कार्य करना; अपनी काम से काम रखना- स्वयं को अपने काम तक सीमित रखना, किसी अन्य के काम में दखल न देना; अपने तक रखना- किसी से न कहना, भेद छिपाना; अपने धंधे से लगना- अपने काम में लगना; अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना- अपनी हानि स्वयं करना; अपने मन की करना- दूसरे की बात न मानकर अपनी